

प्रेषक,

राधिका झा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,
कुमाऊ विश्वविद्यालय,
नैनीताल ।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून

दिनांक

6 जुलाई
2010

विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि में अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक विश्वविद्यालय के पत्र संख्या: केयू/बजट/2010/266 दिनांक 14, जून-2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आलोच्य वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय के आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि रुपये 500.00 लाख के सापेक्ष विश्वविद्यालय के प्रस्तावानुसार वेतन एवं भत्तों के भुगतान हेतु प्रथम किस्त के रूप में रुपये 02,19,17,000/- (रुपये दो करोड़ उन्नीस लाख सत्रह हजार मात्र) की धनराशि निम्नांकित प्रतिबन्धों के साथ व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) स्वीकृत धनराशि का आहरण यथा आवश्यकतानुसार मासिक किस्तों में किया जायेगा । इस अनुदान के बिल पर जिला शिक्षा अधिकारी नैनीताल द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किए जायेंगे ।
- (2) विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी द्वारा स्वीकृत धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा, जबकि गत वित्तीय वर्ष/वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार उपभोग कर लिया गया हो तथा कोई भी धनराशि अवशेष न हो ।
- (3) स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल वेतन, महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते जो वेतन के साथ अनुमन्य हों, का ही भुगतान किया जायेगा । अन्य मदों में व्यय हेतु फांट स्वीकृत हो जाने के उपरान्त ही व्यय किया जायेगा । अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनधिकृत व्यय नहीं किया जायेगा ।
- (4) जिन कार्मिकों ने राजकीय दर पर पेंशन का विकल्प दिया है, उनके जीपीएफ की धनराशि उनके वेतन से काटकर राजकीय कोषागार में नियमित रूप से जमा कराया जाये, उसे अन्यत्र जमा न किया जाये ।
- (5) इस अनुदान का उपयोग अनुमोदित पदों, मदों पर ही किया जायेगा । अस्थायी रूप से इसका कोई भी भाग अन्य अनानुमोदित पदों, अवकाश नगदीकरण, चिकित्सा भत्ता, सवारी भत्ता, मानदेय कार्यों एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के वेतन आदि पर व्यय नहीं किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्ययवर्तन किसी भी दशा में मान्य नहीं होगा ।

५

- (6) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-आयोजनागत-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा - 102-विश्वविद्यालयों को सहायता - 03-कुमाऊ विश्वविद्यालय-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।
- (7) यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या - 208 (P)/xxvii(3)/2010 दिनांक 30, जून-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं।

भवदीया

(राधिका झा)

अपर सचिव ।

पृष्ठांकन संख्या : 216 /XXIV(6)/2010 दिनांकित :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराँय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून
2. लेखाधिकारी, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्द्वानी जिला नैनीताल ।
3. उप निदेशक, उच्च शिक्षा, देहरादून ।
4. जिला शिक्षा अधिकारी, नैनीताल ।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल ।
6. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड ।
7. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
8. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
10. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,

(पी0एम0 शाह)
उप सचिव ।